कृषि आकस्मिक फसल योजना (बोकारो जिला)

सूखाड़ की स्थिति में जिले के किसानों को **कृषि विज्ञान केंद्र, बोकारो** द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए जा रहे हैं:

1. किसान भाइयों के पास जो खेत परती हैं, वे अविलंब उड़द, अरहर, कुलथी एवं सरगुजा की परिपक्व होने वाली उन्नत किस्में लगाएं।

2. जल्दी पकने वाली मकई जैसे - बिरसा मक्का-2, बिरसा मक्का-1, एच. क्यू. एम.-1, पूसा अर्ली हाइब्रिड मक्का-2 की बुआई करें। अनुकूल मौसम में हरा भुट्टा या दाना के रूप में तथा प्रतिकूल मौसम में चारा के रूप में इसका इस्तेमाल हो सकता है।

3. मकई और अरहर (1:2), मकई और कुलथी (1:2), अरहर और लोबिया (1:1), सरगुजा और कुलथी (4:2) की अंतर-फसल (Intercropping) लगाएं।

4. हर खेत में किसान भाई ढलान तरफ 10 फीट लंबी × 10 फीट चौड़ी × 10 फीट गहरी भूमि में तत्काल गड्ढा बनाएं ताकि वर्षा जल का संग्रह किया जा सके।

5. किसी भी फसल की बुआई बीजों को 4-8 घंटे तक भिगोकर करें।

6. रोपा धान में खरपतवार निकालकर, 20 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (50 कि.ग्रा. यूरिया) को दो बार, रोपनी के 15-20 दिन बाद तथा 30-35 दिनों बाद टॉप ड्रेसिंग (भुरकाव) करें।

7. रोपा धान में झोंका (Blast) या भूरी चित्ती (Brown spot) के लक्षण दिखने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत घोल (1 ग्राम प्रति लीटर पानी में) या बीम का 0.6 प्रतिशत घोल (6 ग्राम प्रति लीटर पानी में) बनाकर छिड़काव करें।

8. रोपा धान में आभासी कंड (फॉल्स स्मट) की रोकथाम के लिए प्रोपिकोनाजोल (टिल्ट) का 0.1 प्रतिशत घोल का दो बार छिड़काव करें। पहला छिड़काव बालियां निकलने के पूर्व गाभा अवस्था में तथा दूसरा बालियां निकलने के 10 दिन बाद करें।

9. सब्जियों की जरूरत पूरी करने के लिए भिंडी (अर्का अनामिका, परभनी क्रांति, पूसा ए-4, उपहार), लोबिया तथा फ्रेंचबीन (स्वर्ण लता, बिरसा प्रिया, अर्का कोमल) लगाएं।

10. टमाटर (पूसा रूबी, स्वर्ण संपदा, स्वर्ण लालिमा), बैंगन, पत्ता गोभी (गोल्डन एंकर, प्राइड ऑफ इंडिया, अर्ली ड्रम हेड) तथा फूल गोभी (पूसा दीपाली, पूसा केतकी, पटना अर्ली, नरेंद्र गोभी) की नर्सरी तैयार करें।

11. आलू (कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी अशोका और कुफरी कंचन) की बुआई भी किसान भाई कर सकते हैं।

12. शहर के आस-पास के किसान बेहतर लाभ के लिए गेंदा फूल (पूसा बासमती और पूसा नारंगी), ग्लैडियोलस (अमेरिकन ब्यूटी, जैक्सन विली गोल्ड और हर मैजेस्टी) तथा रजनीगंधा की खेती भी कर सकते हैं।

13. सितंबर के महीने में किसान भाई सब्जी मटर (अर्केल तथा आजाद पी-1), तोरिया (पी. टी. 303, पांचाली और भवानी) तथा अगात सरसों (पूसा जयकिसान, शिवानी, वरुणा तथा क्रांति) की एकल फसल लगा सकते हैं।

14. यदि 7 दिनों से अधिक तक शुष्क अवधि (Dry spell) हो तो सब्जी फसलों के नए पौधों में जीवन रक्षक सिंचाई देनी चाहिए।

15. सब्जी फसलों में एक नाली के बाद एक छोड़कर सिंचाई की जा सकती है, इससे उत्पादन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़े बिना 15-20 प्रतिशत सिंचाई जल की बचत की जा सकती है।

16. पशुओं को चराई के लिए पूर्ण विकसित वनों में भेजें तथा भेड़-बकरियों के लिए वृक्ष की लताओं/पत्तियों का इस्तेमाल करें।

17. गेहूं भूसा, धान पुआल की पर्याप्त मात्रा की प्राप्ति, भंडारण और आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

18. चारा संरक्षण हेतु इस मौसम में उपलब्ध वन क्षेत्रों के जंगली घासों की कटाई तथा एकत्रीकरण कर उसमें हे (Hay) तथा साइलेज (Silage) का निर्माण किसान भाई कर सकते हैं।

19. पशु आहार को फफूंद (Fungus) प्रदूषण से बचाना चाहिए और गीला दाना को सुखाने के बाद पशुओं को खिलाना चाहिए।

20. पशुओं को छायादार जगहों में रखने से उनकी जल की आवश्यकता कम होगी।

Senior Scientist and Head
कृषि विज्ञान केंद्र, बोकारो